फोटोट्रेवलविभागहेतुविचारकोंएवंपी.एस.एमान्यताप्राप्तप्रदर्शनीके प्रमुखोंकेलिएनिर्देश

फोटोट्रेवलविभाग
जनवरी २०२०

इस निर्देश की समीक्षा प्रदर्शनी प्रमुखों, पी.टी. विभाग के प्रमुखों, एवं पी.टी. विचारकों के द्वारा किसी भी विचार से पहले होनी चाहिए।

फोटोट्रेवलकी परिभाषा एवं उद्देश्य

पी.एस.ए का फोटोट्रेवल विभाग, पी.एस.ए की फोटोजर्नलिस्म और नेचर या प्रकृति विभाग स्वरूप वास्तविकता पर आधारित है। पी.एस.ए फोटोट्रेवल का प्रमुख उद्देश्य दुनियाको उसके प्राकृतिक रूप में दिखाना है। पी टी परिभाषा का उद्ध्येश्य है के पी टी फोटोग्राफर से लिए गए छाया चित्र को दुनिया के सामने बिना परिवर्तन किये पेश करे, मतलब जैसा है वैसे ही दिखाए। न की उन तस्वीरों को अपने हिसाब से सजाएं या फिर कोई हेरफेर करके एक बेहतरिन तस्वीर पेश करे। पी.टी. तस्वीरे दृश्य का एक सठीक रूप होना चाहिए। जर्नलिज्म के उद्देश्य एक बेहतरीन तस्वीर पेश करना नहीं है, उसे पेश करते समय उसमे कोई हेर फेर न करना । पी. टी.परिभाषा, प्रदर्शनी के बिचारको के लिए भी एक निर्देश है ,ताकि वे इसमें दिए गए नियमों का उल्लंघन करने वाले तस्वीरो को स्वीकार न करें।

पी.टी. परिभाषा के अलग अलग विभाग, उदाहरण एवं टिप्पणियों के साथ लालरंग में निम्नलिखित दिए गए हैं।

फोटो ट्रेवल तस्वीरें किसी जगह के संस्कृति की विशेषताओं को हूबहू दर्शाते हैं। इसमे कोई भौगोलिक सीमाएं नही हैं।

परिदृश्य औ रइमारतों के मामले में यह आवश्यक नही है के यह पता चले के यह जगह कहाँ है। पर तस्वीर में पहचानने योग्य विशेषताएं होनी चाहिए जो कि सी व्यक्तिको उस जगह को पहचानने में सहायता करें जब वो व्यक्ति उस जगह के दौरे पर हो।

किसी कार्यक्रम या गतिविधियों की तस्वीरें अगर विशेष रूप से फोटोग्राफी के लिए सजाई गई हो, या फिर तस्वीर के व्यक्तियों को फोटोग्राफी के लिए कार्यरत किया गया हो तो यह अनुचित माना जायेगा।

नीचेदियागयातस्वीरप्रमाणकरताहैकेइनबच्चोंकोनिर्देशदेकर पानीफिंकवायागयाथा।इसलिएइसेरचाहुआया 'सेटअप'मानाजायेगा।

यहइनमछुआरोंकाप्रकृतिस्थव्यवहारनहीहै।इसलिएइसेभीरचाहुआया 'सेटअप'मानाजायेगा।

सेटअपयारचेहुएतस्वीरोंकीपहचानतबहोतीहैजबएकहीप्रकारकीकईतस्वीरेंप्रदर्शनियोंमेंप्रस्तुतकियेजातेहैं।याफिर किसीदृश्यमेंकोईअस्वाभाविकक्रियायाव्यक्तियोंद्वाराअसामान्यव्यवहारदर्शायाजाताहै।

इसका उद्देश्य यह है के उन तस्वीरों को खारिज किया जा सके जिन्हें स्टूडियोमें लिया गया है, न की किसी प्राकृतिक वातावरण में जैसा इन तस्वीरों में दिखाया गया है।

केवल क्रॉपिंग के इलावा मूल तस्वीर के किसी भाग को बदलना, कुछ जोड़ना, घटाना या किसी चीज़ का स्थानांतर करने की अनुमति नही है।

कुछ जोड़ या घटाकर या फिर स्थानांतरित करके तस्वीर के साथ हेरफेर की गई होतो उसे

समझना और साबित करना मुश्किल है। इसलिए जब विचारकों को किसी भी प्रकार से नियमों के उल्लंघन का संदेह होतो उसकी जाँच आवश्यक है।

केवल धूल के दाग या डिजिटल नॉइज़ को हटाना स्वीकार्य है, साथ ही मूल तस्वीर के उपस्थिति की बहाली और पूरी तरह ग्रेस्केल मोनोक्रोम में तब्दीली ही केवल स्वीकार्य है। अन्य तरह के परिवर्तन जैसेके इंफ़्रा रेड स्वीकार्य नही है। तस्वीरें पूरी तरह से प्राकृतिक दिखनी चाहिए।

ज़्यादा रंग संतृप्तिया ओवरसैचुरेटेड, ज़्यादा शार्पेंड या फिर ऐसी तस्वीर जिसमे अप्राकृतिक चीज़े जैसे के हेलो या फिर ज़्यादा विग्नेटिंग हो तो उन तस्वीरों को विचार के समय कम नम्बर देना चाहिए। बहुत ही ज़्यादा मात्रा में फिश-आई का प्रयोग जो तस्वीर को विकृत कर दे, वे अप्राकृतिक लगते है। साथ ही तस्वीर के कुछ जगहों पर रंगोंको हटा देना भी प्राकृतिक नही लगता। इसलिए इन सबको भी मान्यता प्राप्त नही होगी।

सम्पूर्णपी.टी. परिभाषा:

एक भूमि की विशेषता, विशेषताओं या संस्कृति को व्यक्त करती है क्योंकि वे स्वाभाविक रूप से पाए जाते हैं। कोई भौगोलिक सीमाएँ नहीं हैं। फोटोग्राफी के लिए विशेष रूप से व्यवस्थित की गई घटनाओं या गतिविधियों की छवियां, या फोटोग्राफी के लिए निर्देशित या किराए पर दिए गए विषय उपयुक्त नहीं हैं। फोटोट्रेवल तस्वीरें किसी जगह के संस्कृति की विशेषताओं को हूबहू दर्शाते हैं। किसी कार्यक्रम या गतिविधियों की तस्वीरें अगर विशेष रूप से फोटोग्राफी के लिए सजाई गई हो, या फिर तस्वीर के व्यक्तियोंको फोटोग्राफी के लिए कार्यरत किया गया हो तो यह अनुचित माना जायेगा। इंसानो या किसी चीज़ का जब नज़दीक से तस्वीर लिया जाए मतलब क्लोज़अप तस्वीरों में पर्यावरण की विशेषता एंयानी के आस पास के बारे में जानकारी होनी चाहिए। केवल क्रॉपिंग के इलावा मूल तस्वीर के किसी भाग को बदलना, कुछ जोड़ना, घटाना या किसी चीज़ का स्थानांतर करने की अनुमति नही है। केवल धूल के दाग या डिजिटल नॉइज़ को हटाना स्वीकार्य है, साथ ही मूल तस्वीर के उपस्थिति की बहाली और पूरी तरह ग्रेस्केल मोनोक्रोम में तब्दीली ही केवल स्वीकार्य है। अन्य तरह के परिवर्तन जैसे के इंफ़्रा रेड स्वीकार्य नही है।तस्वीरें पूरी तरह से प्राकृतिक दिखनी चाहिए।

अतिरिक्तटिप्पणियाँ:

पी.टी. प्रदर्शनी के विचारकों को अपने आप से निम्नलिखित प्रश्न पूछने चाहिए:

१. क्या यह तस्वीर पी.टी. परिभाषा को चित्रित करती है, विशेष रूप से क्या यह प्राकृतिक दिख रहा है ?
२. क्या यह तस्वीर उचित संदेह से परे एक सेट अपका नतीजा है (यानी क्या यह सजाया हुआ है) ?
३. अगर प्रदर्शनी कुछ अलग अलग विषयों पर आधारित है तो क्या यह दिए गए विषयकी परिभाषा से मेल खाता है ? (यानी कही लैंड्सकैप की तस्वीर "पी.टी. /पीपल" विभाग में प्रस्तुत की गई है, या फिर पी.टी. / पीपल विभाग की तस्वीर "लैंड्सकैप" विभाग में प्रस्तुत की गई है या नही)?
४. अगर किसी तस्वीर में योग्यता है पर वो तस्वीर पी.टी. परिभाषा के अधीन नही है तो उसे कम नम्बर दिया जाए। हालाँकि अयोग्यता का उपयोग केवल अत्यधिक अस्पष्ट मामलों में किया जाना चाहिए।

अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क करें:
नादिया फिलियाजी
ई.पी.एस.ए, पी.टी.डी. एक्सिबिशन स्टैंडर्ड्स डायरेक्टर
ptd-esd@psa-photo.org

ग्रन्थकारिता: टॉम टोबर, ए.पी.एस.ए., ई.पी.एस.ए
सहायता: लीन मैंनिस्कलको, होन. एफ.पी.एस.ए, ई.पी.एस.ए
पी.टी. डिवीजन द्वारा योगदान, अनुमोदन और वितरण

This Hindi translation was done by Mr. **Sayantan Das**, Mr. **Ajay Kapoor** and Mr. **Raju Sutradhar** and Ms. **Mukta Biswas, EFIAP/b, FFIP**. Co-ordinated by Mr. **Rajdeep Biswas**, MPSA, EFIAP, FFIP (PSA PIDC Star Ratings Coordinator, PSA PIDC Galaxies & Diamonds Ratings Director)